तिथि - 5 अक्तूबर - 9 अक्तूबर

कक्षा - सप्तमी

विषय - संस्कृत

कालान्श - 1

उपविषय - मम परिवारः

सहायक सामग्री - ई पाठ - पाठ्यपुस्तिका

शिक्षण अधिगम - उपसर्ग पर आधारित पाठ द्वारा संस्कृत मे उपसर्ग का प्रयोग करने की सक्षमता का विकास।

BBPS, PITAMPURA

9 मम परिवारः (उपसर्गाः)

जो शब्दांश शब्द या धातु से पूर्व जुड़कर उनके अर्थ को परिवर्तित करें या अर्थ में विशेषता लाएँ, उन्हें 'उपसर्ग' कहते हैं। उपसर्ग कभी भी स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त नहीं होते।

उपसर्गेण धात्वर्थो बलादन्यत्र नीयते।
प्रहाराहार-संहार-विहार-परिहारवत्॥

जैसे—'हार' शब्द का अर्थ 'माला' परंतु जब उसमें 'प्र' उपसर्ग लगे तो शब्द बनता है—प्रहार, 'आ' उपसर्ग लगे तो आहार, सम् उपसर्ग लगे तो संहार, 'वि' उपसर्ग लगे तो 'विहार', 'परि' उपसर्ग लगे तो 'परिहार'।

आ

पिता सर्वेभ्यः आहारम् परिवेशयति।

कार्यालयात् आगत्य माता अपि भोजनं खादति।

हार्दिकस्य जनकः आरक्षकः अस्ति।

पितामही मिष्ठान्नम् आनयति।

सम्

अध्यापकः छात्रान् संस्करोति।

भारतीया-संस्कृतिः अतुलनीया अस्ति।

परिश्रमेण सदैव कार्यं सम्भवति।

अनु

शिष्यः गुरुम् अनुसरति।

कुक्कुरः बालकम् अनुगच्छति।

वानरः जनान् अनुकरोति।

गृहे सर्वे शान्तिम् अनुभवन्ति।

चौरः आरक्षकम् अनुनयति।

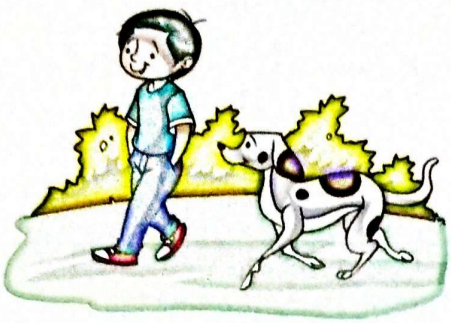

सु

सुपुत्री पितरौ सेवते।

गृहं परिवारेण सुशोभते।

उत्

मीनाक्षी प्रातः सूर्योदयात् प्राक् उत्तिष्ठति।

सा उत्थाय सर्वान् नमति।

खगाः गगने उत्पतन्ति।

विमानं गगने उड्डयते।

दीनजनानाम् उत्थानं पुण्यं भवति।

प्र

प्रयत्नः कदापि वृथा न भवति।

प्रकृतिः अति रमणीया अस्ति।

अध्यापिका कक्षां प्रविशति।

दिल्लीनगरे यमुनानदी प्रवहति।

मम विद्यालये तिस्रः प्रयोगशालाः सन्ति।

पुत्रः पुत्री च मातरं प्रणमतः।

बीजात् अंकुरः प्ररोहति।

मधुरभाषणेन सर्वे प्रसीदन्ति।

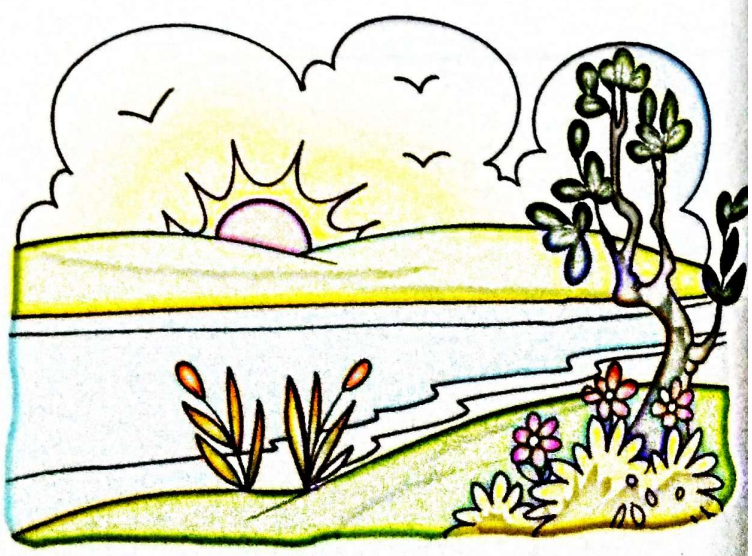

९. मम परिवार:

पाठ का हिंदी सार

आ

पिता सबके लिए भोजन परोसता है।
कार्यालय से आकर माता भी भोजन खाती है।
हार्दिक के पिता सिपाही है।
दादी मिठाई लाती है।

सम्

अध्यापक छात्रों को संस्कारी करता है।
भारतीय संस्कृति अतुलनीय है।
मेहनत से सदा कार्य संभव होता है।

अनु

शिष्य गुरु का अनुसरण करता है।
कुत्ता बालक के पीछे जाता है।
बंदर लोगों की नकल करता है।
घर में सब शांति अनुभव करते हैं।
चोर पुलिस की अनुनय करता है।

सु

सुपुत्री माता–पिता की सेवा करती है।
घर परिवार से सुशोभित होता है।

उत्

मीनाक्षी सुबह सूर्योदय से पहले उठती है।
वह उठकर सबको नमस्कार करती है।
अनेक पक्षी आकाश में उड़ते हैं।
हवाईजहाज़ आसमान में उड़ता है।
दीनजनों की उत्थान पुण्य होता है।

प्र

प्रयत्न कभी भी बेकार नहीं होता।
प्रकृति बहुत सुंदर होती है।
अध्यापिका कक्षा में प्रवेश करती है।
दिल्ली नगर में यमुना नदी बहती है।
मेरे विद्यालय में तीन प्रयोगशालाएँ हैं।
पुत्र और पुत्री माता को प्रणाम करते हैं।
बीज से अंकुर उगता है।
मीठा बोलने से सब प्रसन्न होते हैं।

मम परिवारः

मम परिवारे षट् सदस्याः सन्ति। अहम् गीता, भ्राता विपिनः, माता, पिता, पितामही पितामहः च। सर्वे प्रतिदिनं पञ्चवादने उत्तिष्ठन्ति। पितामही आसन्दिकायाम् उपविश्य समाचारपत्रं पठति पितामहः च दूरदर्शनम् अवलोकयति। माता सुस्वादु भोजनं पचति, पिता च सर्वेभ्यः भोजनं परिवेशयति। पिता तु मयि अत्यधिकं स्निह्यति। विपिनः पाकशालां प्रविश्य मातुः सहायतां करोति।

पिता प्रातःकाले नववादने गृहात् कार्यालयं प्रति गच्छति। सः कार्यालये उच्च-अधिकारी अस्ति रात्रौ गृहम् आगत्य आवाम् पाठयति।

वयं कदापि कस्यापि अपमानं न कुर्मः, परैः सह दुर्व्यवहारं न कुर्मः। अस्माकं परिवारे प्रगाढः स्नेहः अस्ति।

मेरा परिवार

मेरे परिवार में छह सदस्य हैं। मैं गीता, भाई विपिन, माता, पिता, दादी और दादा। सब हर दिन पाँच बजे उठते हैं। दादी कुरसी पर बैठकर समाचार पत्र पढ़ती है और दादाजी टी.वी. देखते हैं। माता स्वादिष्ट भोजन पकाती है और पिताजी सबको भोजन परोसते हैं। पिताजी तो मुझे अत्यधिक स्नेह करते हैं। विपिन रसोईघर में प्रवेश करके माता की सहायता करता है।

पिताजी सुबह नौ बजे घर से कार्यालय की ओर जाते हैं। वह कार्यालय में उच्च-अधिकारी हैं, रात में घर आकर हम दोनों को पढ़ाते हैं।

हम कभी भी किसी का भी अपमान नहीं करते हैं, दूसरों के साथ बुरा व्यवहार नहीं करते हैं। हमारे परिवार में गहरा स्नेह है।

अभ्यासः

1. **प्रदत्तपदेभ्यः उपसर्गं पृथक् कृत्वा लिखत।** (**प्रदत्त पदों से उपसर्ग पृथक् करके लिखिए।**)
Separate the prefix from the following words.

(क) परिवेशयति ..... (ख) आगत्य .....

(ग) प्रतिदिनम् ..... (घ) अपमानम् .....

(ङ) अधिकारी .....

2. **प्रदत्त-उपसर्गान् पदानि च योजयित्वा लिखत।** (**प्रदत्त उपसर्गों व शब्दों को जोड़कर लिखिए।**)
Join the prefix and words and then write.

(क) सम् + करोति = ...

(ख) प्र + गाढः = ...

(ग) अति + अधिकम् = ...

(घ) प्र + नमति = ...

(ङ) प्रति + अवदत् = ...

3. **प्रदत्त-उपसर्गान् योजयित्वा पदानि रचयत। (प्रदत्त-उपसर्गों को जोड़कर पद बनाइए।)**

Make new words with given Prefix.

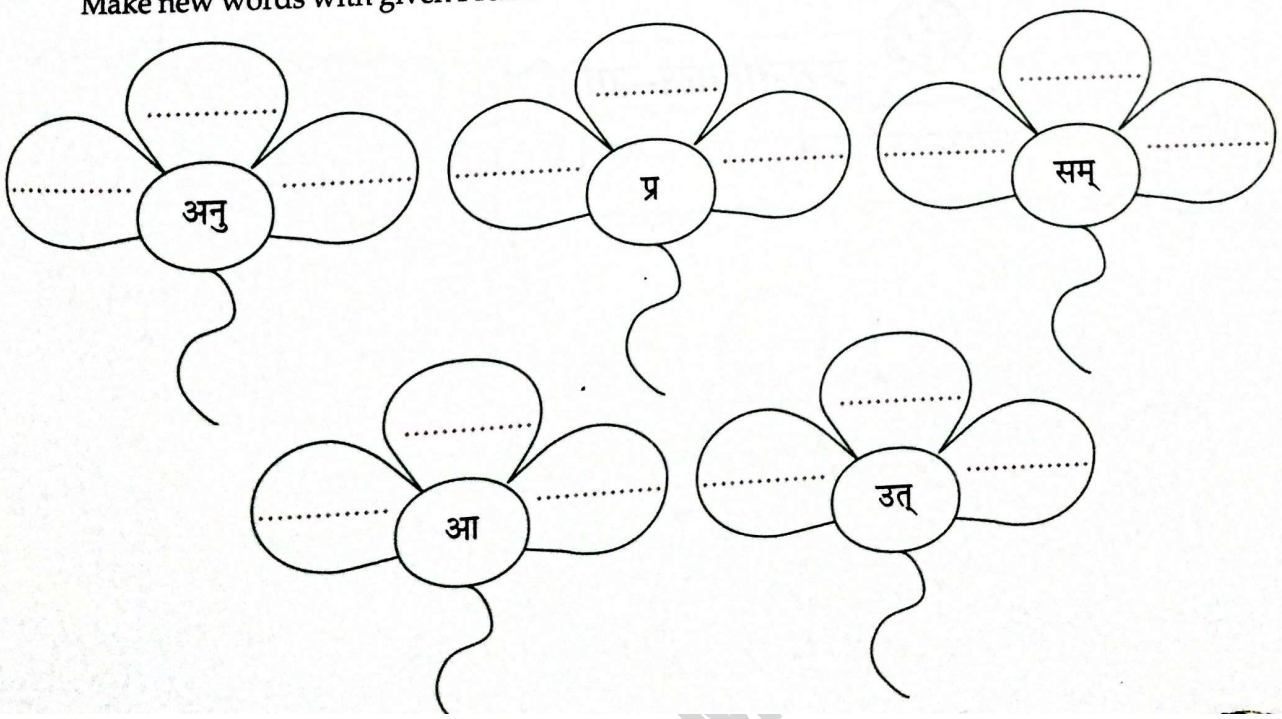

4. **प्रदत्तवाक्येषु क्रियापदानि संशोधयत। (प्रदत्त वाक्यों में क्रियापदों को शुद्ध कीजिए।)**

Correct the verbs in the following sentences.

(क) शिष्याः गुरुम् अनुसरति। .....

(ख) पितामही सर्वेभ्यः लप्सिकां पचतः। .....

(ग) अध्यापकः छात्रान् संस्कुर्वन्ति। .....

(घ) गगने खगाः उत्पततः। .....

(ङ) तौ प्रातः पञ्चवादने उत्तिष्ठति। .....

5. **प्रदत्तवाक्येषु उपसर्गं पदं च योजयित्वा पदानि रचयत। (प्रदत्त वाक्यों में उपसर्ग तथा शब्द को जोड़कर पद बनाइए।)**

Join prefix and word in the following sentences..

(क) रचितः मनीषायै उप + हारम् आनयति। .....

(ख) खगाः गगने वि + हरन्ति। .....

(ग) सैनिकाः शत्रून् सम् + हरन्ति। .....

(घ) बालकौ विद्यालयात् गृहम् आ + गच्छतः। .....

(ङ) सा आसन्दिकायाम् उप + विशति। .....